दिनांक : 08.06.2025 समय : 02.10 पीएम

आकाशवाणी, भोपाल
दोपहर समाचार

प्रधानमंत्री–नारीशक्ति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत को विकसित बनाने में स्त्री–शक्ति की परिवर्तनकारी भूमिका होगी और इसलिए सरकार पिछले ग्यारह वर्षों से महिलाओं के नेतृत्व पर अधिक ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि विज्ञान, शिक्षा, खेलकूद, स्टार्ट–अप और सशस्त्र बल– हर क्षेत्र में महिलाएं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दूसरों के लिए प्रेरणा–स्रोत बन रही हैं।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन–एनडीए सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि एनडीए सरकार ने विकास में महिलाओं की सशक्त भूमिका के लिए कई महत्वपूर्ण पहलें की हैं। इनमें स्वच्छ भारत अभियान, जन–धन खातों के ज़रिए वित्तीय समावेशन और ज़मीनी स्तर महिलाओं का सशक्तिकरण करना शामिल हैं। श्री मोदी ने कहा कि उज्ज्वला योजना से घरों को धुआं–मुक्त बनाने में मदद मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुद्रा ऋण से लाखों महिलाओं के लिए उद्यमी बनने का सपना पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर मकान लेने के प्रावधान से महिलाओं में सुरक्षा और सशक्तिकरण की भावना बढ़ी है। श्री मोदी ने बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान को बालिका संरक्षण का राष्ट्रीय अभियान बताया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान

केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री षिवराज सिह चौहान ने खेती में फसलों की विविधता पर जोर दिया है। उन्होंने बेंगलुरू में एक कार्यक्रम में कहा कि जैविक खेती के साथ ऐसी फसलों को उगाया जाना चाहिए जो भरपूर पोषण देती हों।

कृषि अभियान

प्रदेश में विकसित कृषि अभियान के तहत गतिविधियां जारी हैं। शिवपुरी जिले में वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को खरीफ मौसम की प्रमुख फसलों में उन्नत तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। पोहरी, बदरवास एवं खनियाधाना विकासखण्ड के ग्रामों में किसानों से परस्पर संवाद कर मूंगफली, सोयाबीन, धान, मक्का, उड़द, तिली आदि फसलों की उत्पादकता बढ़ाने हेतु वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने की समझाइश दी गई। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करते हुए जीवामृत, नीमास्त्र आदि के निर्माण की विधियों का प्रदर्शन भी किया गया। कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, कृषि अभियांत्रिकी, फसल बीमा आदि विभागों द्वारा किसानों को केन्द्र व राज्य शासन की योजनाओं की जानकारी भी दी गई। देवास जिले में कृषि वैज्ञानिक मोबाइल लैब लेकर सीधे किसानों के खेतों में पहुंचकर मिट्टी परीक्षण, वैज्ञानिक अनुसंधान तथा नवाचार का लाभ दे रहे हैं।

सोयाबीन सम्मेलन

सीहोर जिले के सिरादी ग्राम पंचायत में सोया किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य सोयाबीन फसल की उन्नत तकनीकी और पुनरुत्पादन पद्धति से संरक्षित पर्यावरण अनुकूलता सुनिश्चित करते हुए अधिकतम उत्पादन प्राप्त करना था।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुरेश मोटवानी ने बताया कि सम्मेलन में आगामी खरीफ मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों और वैज्ञानिकों के बीच सार्थक सत्रों और संवादों की श्रृंखला चलाई गई। किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार, जल संरक्षण, फसल विविधीकरण और रासायनिक आदानों पर निर्भरता कम करने के बारे में जागरूक किया गया। भारत सरकार की यह पहल राष्ट्रीय खाद्य तेल–तिलहन मिशन की महत्वाकांक्षा के साथ सीधे तालमेल रखती है, जो टिकाऊ और उत्पादक सोयाबीन खेती के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। सम्मेलन में 600 से अधिक सोयाबीन किसान, कृषि विभाग, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि, विषय विशेषज्ञ और खाद्य तेल मूल्य श्रृंखला के हितधारक भी उपस्थित थे।

.....